



Hargharpanditji

॥ भाई दूज पर वास्तु उपाय ॥
ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ भाई दूज पर वास्तु उपाय ॥

भाई दूज दीपावली पर्व के बाद मनाया जाने वाला प्रेम, स्नेह और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व है। इस दिन बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती है। घर में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए कुछ पारंपरिक वास्तु उपाय किए जा सकते हैं।

भाई दूज के विशेष वास्तु उपाय
मुख्य द्वार की सफाई करें

भाई दूज के दिन घर के मुख्य द्वार को साफ रखें और वहाँ सुंदर रंगोली बनाएँ। इसे शुभ ऊर्जा के स्वागत का प्रतीक माना जाता है।

घर में दीपक जलाएँ

पूजा के समय घर के मुख्य द्वार और पूजा स्थान पर दीपक जलाएँ। इससे घर में सकारात्मक और मंगलमय वातावरण बनाने की परंपरा है।

भाई का तिलक शुभ स्थान पर करें

भाई को स्वच्छ स्थान पर बैठाकर तिलक करें। पूजा के लिए घर का ईशान कोण स्वच्छ और व्यवस्थित रखना शुभ माना जाता है।

भाई-बहन साथ भोजन करें

भाई दूज पर बहन द्वारा भाई को भोजन कराने की परंपरा है। परिवार के साथ प्रेमपूर्वक भोजन करना पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक माना जाता है।

घर में टूटे सामान न रखें

भाई दूज के अवसर पर घर से टूटी-फूटी और अनुपयोगी वस्तुओं को हटाएँ। विशेष रूप से प्रवेश द्वार और पूजा स्थान को व्यवस्थित रखें।

तुलसी के पास दीपक जलाएँ
शाम के समय तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाकर परिवार की सुख-
शांति और समृद्धि की प्रार्थना करें।

भाई को शुभ उपहार दें
बहन अपनी क्षमता के अनुसार भाई को वस्त्र, मिठाई या उपयोगी वस्तु
भेंट कर सकती है। इसे प्रेम और मंगलकामना का प्रतीक माना जाता है।

बहन का सम्मान करें
भाई दूज पर भाई अपनी बहन को सम्मान और स्नेह के साथ उपहार दे।
पारिवारिक प्रेम और आपसी सम्मान को घर की सकारात्मक ऊर्जा से
जोड़ा जाता है।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"